निफ्टी के लिए पॉजिटिव रुझान, रिकवरी के टिकाऊ होने पर सवाल

Weekly Picks

अखिलेश प्रताप सिंह

Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

पिछले सप्ताह निफ्टी तीन हफ्तों के ऊंचे स्तर पर बंद हुआ और बाजार का रुझान सकारात्मक दिखा। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह रिकवरी अभी पूरी तरह मजबूत नहीं है। इस सप्ताह निवेशकों की नजर रीपो रेट पर आरबीआई के फैसले, मॉनसून, वैश्विक संकेतों और तिमाही नतीजों पर रहेगी।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता जोरदार रहा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निफ्टी 24383 अंकों के साथ 3 हफ्तों के ऊंचे लेवल पर बंद हुआ। कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट, वैश्विक स्तर पर AI ट्रेड कमजोर पड़ने और इधर देश में IIP के अच्छे आंकड़ों के साथ कंपनियों के मुनाफे में बढ़िया बढ़ोतरी ने सेंटिमेंट मजबूत किया। रुपये में भी मजबूती आई और डॉलर के मुकाबले 95.38 पर पहुंचने के साथ इसमें मार्च के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। हालांकि मॉनसून और अमेरिका-ईरान की लड़ाई से जुड़ी चिंता बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि निफ्टी में पॉजिटिव रुझान बना हुआ है, लेकिन रिकवरी का मामला नाजुक है और निवेशकों को सतर्कता बरतनी होगी।

इन पर रहेगी नजर

भारतीय मौसम विभाग ने नए अनुमान में मॉनसून को लेकर चिंता दोहराई है। विभाग ने कहा है कि जून और जुलाई के बाद अगस्त में भी बारिश पूरे देश में कमजोर रह सकती है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया, हालांकि रुख कड़े हैं। इससे संकेत है कि महंगाई टारगेट रेंज में नहीं आई, तो वह पॉलिसी सख्त रखेगा। आने वाले दिनों में मार्केट रिकवरी का बने रहना वैश्विक अनिश्चितता घटने, कच्चे तेल में स्थायित्व आने और चुनिंदा सेक्टरों के बजाय अधिकतर क्षेत्रों की कंपनियों के मुनाफे में अच्छी बढ़ोतरी होने पर निर्भर है। निवेशकों की नजर अमेरिकी लेबर मार्केट डेटा पर भी रहेगी, वहीं देश में आरबीआई के नीतिगत फैसले और PMI डेटा अहम होंगे।' RBI की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक 3 से 5 अगस्त तक होगी, जिसमें महंगाई, आर्थिक वृद्धि और रीपो रेट के बारे में उसकी राय होगी। इस बीच, जुलाई में GST कलेक्शन में जोरदार ग्रोथ दिखी है। कलेक्शन 15.4% बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपये पर रहा। इससे देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत मिला। इससे भी सेंटिमेंट मजबूत होने में मदद मिलेगी।

वहीं, इस हफ्ते DLF, हिंदल्को, टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल्स, UPL, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, ब्रिटानिया और BSE के अलावा MCX इंडिया और इमामी जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे जारी होंगे। निवेशकों की नजर पावर ग्रिड, बर्जर पेंट्स, कमिंस इंडिया, LIC, ट्रेंट, ब्रिटानिया और मदरसन सुमी के नतीजों पर भी रहेगी।

किधर जाएगा निफ्टी?

HDFC सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा, 'निफ्टी शुक्रवार को अपने 200 DMA से ऊपर बंद हुआ। इससे पॉजिटिव रुझान मजबूत हुआ है। इंडेक्स के लिए अगला रेजिस्टेंस 24530 पर है, जिसके बाद 24778 का नंबर आएगा, जो इसका 200 दिनों का SMA है। निफ्टी के लिए 24100 के करीब सपोर्ट दिख रहा है।'

वहीं, HDFC सिक्योरिटीज के ही सीनियर टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट नागराज शेट्टी ने कहा, 'टेक्निकली निफ्टी में हायर टॉप या ऊंचे स्तरों पर डोजी टाइप कैंडल पैटर्न का संकेत मिल रहा है। इसके चलते मार्केट में कुछ कंसॉलिडेशन दिख सकती है। निफ्टी अभी 24350-24400 के आसपास क्लस्टर रेजिस्टेंस पर है, जिसका ठोस ब्रेकआउट से पहले कंसॉलिडेशन मूवमेंट या रेजिस्टेंस के करीब कुछ गिरावट दिख सकती है। निफ्टी के लिए पॉजिटिव रुझान बना हुआ है। 24400 से ऊपर निकलने पर निफ्टी जल्द ही 24600-24700 जोन की ओर जा सकता है। सपोर्ट 24200 पर है।'

क्या खरीदें-बेचें?

- जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने दमदार अर्निंग विजिबिलिटी वाली कंपनियों में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश की सलाह दी। एलारा सिक्योरिटीज ने महिंद्रा एंड महिंद्रा (TP ₹4578), हुंडई मोटर इंडिया (TP ₹2509), वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड (TP ₹555), शैले होटल्स (TP ₹1081), सिप्ला (TP ₹350), कार्बो एनर्जीज (TP ₹360), एक्मे सोलर होल्डिंग्स (TP ₹387) को बाय, टोरेंट फार्मा (TP ₹5056), अजंता फार्मा (TP ₹3330), प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स (TP ₹1650) को रिड्यूस रेटिंग दी है।
- PL कैपिटल ने महिंद्रा एंड महिंद्रा (TP ₹3950) को, जबकि एमके ग्लोबल ने स्टार हेल्थ (TP ₹700), वेदांता (TP ₹350) और सिप्ला (TP ₹350) को बाय रेटिंग दी है। बजाज फाइनैंस (TP ₹1050) को रिड्यूस रेटिंग दी है।

अमेरिकी बाजार का हाल

पश्चिम एशिया में युद्ध, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख और टेक्नॉलजी शेयरों में उतार-चढ़ाव के बावजूद अमेरिकी बाजार पिछले हफ्ते बढ़त के साथ बंद हुए। डाओ जोंस, S&P 500 और नैस्डेक ने साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। सेमीकंडक्टर शेयरों की रैली से बाजार को सहारा मिला। अब निवेशकों की नजर अमेरिकी रोजगार आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी।